



ISSN: 2456-0057

IJPNE 2022; 7(1): 17-20

© 2022 IJPNE

www.journalofsports.com

Received: 28-10-2021

Accepted: 11-12-2021

Dr. Dinesh Kumar Dinkar

Associate Professor,

Shri Krishna Sharirik Shikshan

Mahavidyalaya, Wardha,

Maharashtra, India

शारीरिक शिक्षा द्वारा छात्रों में सामाजिक कौशल के विकास का तुलनात्मक अध्ययन

Dr. Dinesh Kumar Dinkar

सारांश-

इस अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य स्कूली छात्रों के सामाजिक व्यवहार में उत्पन्न परिवर्तनों का विश्लेषण करना है। इसके अंतर्गत विद्यालयी स्तर पर पाठ्यक्रम में सम्मिलित शारीरिक शिक्षा की उपादेयता का विश्लेषण भी किया गया है। यह अध्ययन इस बात की समीक्षा करता है कि छात्रों में उत्पन्न सामाजिक कौशलों - सहयोग भावना, राष्ट्रीय एकता की भावना, नेतृत्व गुण, आत्म अनुशासन आदि का विकास करके ही छात्र राष्ट्रीय विकास में अपनी सुव्यवस्थित भागीदारी दे सकते हैं।

कूट शब्द - नेतृत्व क्षमता, सामाजिक कौशल, सामान्य शिक्षा, शारीरिक शिक्षा, माध्य विचलन।

प्रस्तावना -

सामाजिक विकास शारीरिक शिक्षा के उद्देश्यों में समाहित एक अति महत्वपूर्ण अधिगम है। शिक्षा के क्षेत्र में शारीरिक शिक्षा द्वारा सामाजिक ढाँचे में उत्पन्न परिवर्तनों की सर्वाधिक अहम कड़ी बालक होते हैं। प्रारंभिक चरण में बालकों के भीतर इन सामाजिक कौशलों का विकास माता पिता तथा परिवार द्वारा होना प्रारंभ होता है तत्पश्चात बालक से छात्र के रूप में विद्यालयों में प्रवेश होने से विभिन्न विषयों का प्रभाव बालक के व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। आधुनिक शिक्षा के अंतर्गत छात्रों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से विद्यालयी पाठ्यक्रम में शारीरिक शिक्षा के समावेशन द्वारा इस क्षेत्र में नवीन अनुसंधानों ने जन्म लिया है। इस विषय पर अनेकों नवीन अवधारणाओं तथा अनुसंधानों की आवश्यकता को भी बल मिला है। छात्रों के सामाजिक कौशलों के अंतर्गत प्रमुख रूप से उन कौशलों के विकास का अध्ययन किया गया है जो छात्रों को आदर्श नागरिक के रूप में स्थापित करते हैं। जे एफ विलियम्स के अनुसार, "शारीरिक शिक्षा व्यक्ति को उन परिस्थितियों में कुशल नेतृत्व प्रदान करता है जिसके द्वारा एक व्यक्ति शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से सजग तथा सामाजिक जीवन में परिस्थितियों के अनुरूप कार्य कर सके।"

Corresponding Author:

Dr. Dinesh Kumar Dinkar

Associate Professor,

Shri Krishna Sharirik Shikshan

Mahavidyalaya, Wardha,

Maharashtra, India

अध्ययन उद्देश्य

इस अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य शारीरिक शिक्षा द्वारा छात्रों में उत्पन्न सामाजिक कौशलों के अंतर्गत निम्न बिंदुओं का अध्ययन किया गया है।

1. सामान्य शिक्षा तथा शारीरिक शिक्षा का तुलनात्मक अध्ययन कर सामाजिक कौशलों के विकास हेतु शारीरिक शिक्षा की उपादेयता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. छात्रों में कार्य कुशलता, निर्णय क्षमता, लक्ष्य निर्धारण क्षमता, नेतृत्व क्षमता तथा छात्रों में आपसी सहयोग की भावना के विकास का अध्ययन करना।

अध्ययन क्षेत्र

प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत प्राथमिक स्तर के 80 छात्रों (40 सामान्य शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र + 40 शारीरिक

शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र) का चयन कर सामान्य शिक्षा तथा शारीरिक शिक्षा द्वारा छात्रों के भीतर सामाजिक गुणों के विकास का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है।

अध्ययन प्रविधि

प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत Robert Wood Johnson द्वारा निर्मित सामान्य प्रश्नोत्तरी का प्रयोग कर आंकड़ों को एकत्रित किया गया है तथा सांख्यिकीय तकनीकों के प्रयोग द्वारा परिणामों को प्राप्त किया गया है। जिसके अंतर्गत सामाजिक कौशल को चर के रूप में स्थापित कर 6 कौशल बिंदुओं को आधार मानकर परिणामों को ज्ञान करने का प्रयास किया गया है।

आंकड़ों का विश्लेषण

तालिका 1: सार्थक समूहों के मध्य सामाजिक कौशलों से संबंधित आंकड़े

समूह	माध्य	माध्य विचलन	Standard Error	t Ratio	t value
सामान्य शिक्षा वाले छात्र	189.66	21.77	11.93	5.29	2.555
शारीरिक शिक्षा वाले छात्र	177.73	25.44			

Significant at 0.05

t (0.05) = 2.555

उपरोक्त तालिका में दर्ज आंकड़ों हेतु टी-टेस्ट का प्रयोग किया गया है सामान्यतः टी-टेस्ट दो समूहों के मध्य सार्थक अंतर को प्रदर्शित करता है।

इसके अंतर्गत टी मूल्य 0.05 पर 2.555 प्राप्त होता है जो यह स्पष्ट करता है कि दोनों ही समूहों (सामान्य शिक्षा प्रदत्त छात्र तथा शारीरिक शिक्षा प्रदत्त छात्रों) के मध्य सार्थक अंतर पाया जाता है। सामान्य शिक्षा की तुलना में शारीरिक शिक्षा द्वारा अधिक सामाजिक गुणों का विकास छात्रों के सर्वांगीण विकास में योगदान देता है।

शारीरिक शिक्षा की उपादेयता

छात्रों तथा युवाओं के मध्य सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देने में शारीरिक शिक्षा तथा खेल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अतिरिक्त शारीरिक शिक्षा को एकविद्यालयी विषय के रूप में शिक्षण

कराया जाता है जो छात्रों/युवाओं को एक स्वस्थ जीवन शैली अपनाने की सुविधा प्रदान करता है तथा उनके समग्र शारीरिक तथा मानसिक विकास पर ध्यान केंद्रित करता है। साथ ही शारीरिक शिक्षा युवाओं में निष्पक्षता, एकजुटता, अनुशासन-आत्म, टीम भावना, सहिष्णुता और निष्पक्ष खेल जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक मूल्यों को प्रदान करती है। (Bailey, R. et al 2005)

शारीरिक शिक्षा द्वारा उत्पन्न सामाजिक कौशलों का विकास

छात्रों में कार्य कुशलता का विकास

शारीरिक शिक्षा द्वारा छात्रों की कार्य शैली में परिवर्तन, प्रारंभिक परिवर्तनों की आधारशिला के रूप में विकसित होते हैं। विभिन्न अध्ययनों ने कुछ सामाजिक व

व्यावहारिक कौशलों की पहचान की है जो छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन और छात्रों की सीखने की क्षमता (Learning) को प्रभावित करते हैं। इनके अंतर्गत निर्देशों को सुनना और उनका पालन करना, समूहों में पर्याप्त रूप से भाग लेना, कार्य में सतर्क रहना और कार्य सामग्री का संगठन शामिल है। इन व्यावहारिक गुणों को कार्य से संबंधित सामाजिक कौशलों के रूप में जाना जाता है और ये सीधे स्कूली उम्र के छात्रों की सफलता और समायोजन से संबंधित होते हैं। (Mc McLelland *et al.* 2003).

छात्रों में निर्णय क्षमता का विकास

निर्णय क्षमता का विकास छात्र जीवन के सर्वोत्तम परिवर्तनों में से एक है। खेलों के दौरान इस सामाजिक कौशल का विकास सक्रिय रूप से होता है। समूह खेलों (हॉकी, क्रिकेट, वॉली बाल, आइस हॉकी) की विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं के दौरान एक कुशल नेतृत्वकर्ता विपरीत खेल परिस्थितियों के दौरान तनाव को नियंत्रित कर सफलता के उद्देश्यों को प्राप्त करता है। शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण विधियों के माध्यम से छात्रों के भीतर सामाजिक भावना प्रबल होती है।

छात्रों में लक्ष्य निर्धारण क्षमता का विकास

लक्ष्य को निर्धारित करने में उत्पन्न सक्षमता का विकास खेलों के दौरान प्रारंभ होता है। शारीरिक शिक्षा का प्रमुख केंद्र खेल होते हैं अतः खेलों के दौरान लक्ष्य को निर्धारित करना छात्रों अथवा खिलाड़ियों के भीतर आत्मविश्वास को बढ़ाता है तथा छात्रों को आत्म प्रेरित करने जैसे कौशलों का विकास होता है। लक्ष्य निर्धारण क्षमता छात्रों में खेलों के प्रत्येक स्तर पर मानसिक दृढ़ता को प्रभावित करता है। जब छात्र अपने लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु पूरी तरह से प्रतिबद्ध होते हैं। तब इसका स्पष्ट परिणाम छात्रों के सामाजिक व्यावहारिक जीवन पर दिखाई देता है।

छात्रों में नेतृत्व क्षमता का विकास

शारीरिक शिक्षा के कक्षा कक्ष शैक्षिक कार्यक्रमों तथा प्रशिक्षण विधियों द्वारा छात्रों के भीतर नेतृत्व कौशलों

का विकास होना प्रारंभ होता है। लीडरशिप का खेलों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान है। छात्रों के व्यवहार में नेतृत्व क्षमता के विकास में शारीरिक शिक्षा नवीन सामाजिक मूल्यों को स्थापित करती है। नेतृत्व एक कुशल नेतृत्वकर्ता का सामाजिक एवं व्यक्तिगत गुण है जो उसे असमान परिस्थितियों का सामना करने हेतु तत्पर बनाता है।

सैथर (1999) कुशल नेतृत्वकर्ता की पाँच मूलभूत विशेषताएँ हैं:

- (1) प्रक्रिया (समस्या) को चुनौती देना
- (2) एक साझा दृष्टि को प्रेरित करना
- (3) दूसरों को कार्य करने में सक्षम बनाना,
- (4) समूह का मार्गदर्शन कर कार्य योजना का निर्माण करना।
- (5) स्वयं तथा टीम को प्रोत्साहित करें।

छात्रों में आपसी सहयोग की भावना का विकास

शारीरिक शिक्षा पाठ्यक्रम तथा शारीरिक गतिविधियाँ छात्रों के व्यक्तित्व को प्रभावित करती हैं। हालाँकि खेलों के आरंभिक चरणों में सह पाठियों के साथ आदान प्रदान बहुत थोड़ा ही होता है। परंतु आगे चलकर खेल में कल्पित तथा नाटकीय स्थितियाँ सामाजिक आदान प्रदान को अधिक परिपक्व बनाती हैं। कई शोधकर्ताओं द्वारा धक्का मुक्की वाले शारीरिक खेलों को भी सामाजिक दृष्टिकोण से देखने के प्रयास किये हैं। जीन पियाजे के अनुसार बच्चों की विकसित होती हुई मानसिक क्षमता में खेल एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। इनके अनुसार उम्र के साथ खेल में सहज प्रगति होती है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन का विश्लेषण करने के पश्चात् कहा जा सकता है कि विद्यालयी पाठ्यक्रम में शारीरिक शिक्षा के समावेशन द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास की परिकल्पना को बल मिला है। शारीरिक शिक्षा ना केवल शारीरिक विकास या मानसिक विकास में सहायक है बल्कि बालकों के व्यक्तित्व को निखारने तथा उनमें सामाजिक मूल्यों का निर्माण करने में भी शारीरिक शिक्षा

की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है। पूर्व में भी विभिन्न शोधों तथा अनुसंधानों के परिणामों द्वारा यह सिद्ध हो सका है कि प्रारंभिक परिवर्तनों की पारिवारिक अवस्था के तत्पश्चात बालको का सर्वाधिक सुसंगठित विकास विद्यालयों तथा शिक्षकों के मार्ग दर्शन में ही हो पाता है। अतः आधुनिक शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत शारीरिक शिक्षा एक विषय के रूप में सामाजिक कौशलों का निर्माण करने और उन्हें सुव्यवस्थित स्वरूप प्रदान में सक्षम है।

संदर्भ सूची

1. McClelland MM, Y Morrison FJ. "The emergence of learning-related social skills in preschool children". *Early Childhood Research Quarterly*. 2003;18(2):206-224.
2. Bailey R. Evaluating the relationship between physical education, sport and social inclusion. *Education Review*. 2005;57(1):71-90.
3. Sather SE. Leading, lauding, and learning: leadership in secondary schools serving diverse populations. *The Journal of Negro Education*. 1999;68(4):511-528.
4. Benjamin Chase, Morgan Hall, Timothy Brusseau A. Impact of goal setting on physical activity in physical education, *Journal of Physical Education and Sport*. 2018;18(2).
5. Lauren Lieberman J, Katrina Arndt Sara Daggett. Promoting Leadership in Physical Education and Recreation, *JOPERD* 2007;78(3).